

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय  
तृतीय वर्ष छात्र प्रस्तुति



Fassbinder's

# KATZELMACHER

कातज़ेलमाखेर हिन्दी में

11 - 14 October 2019

6.30 pm

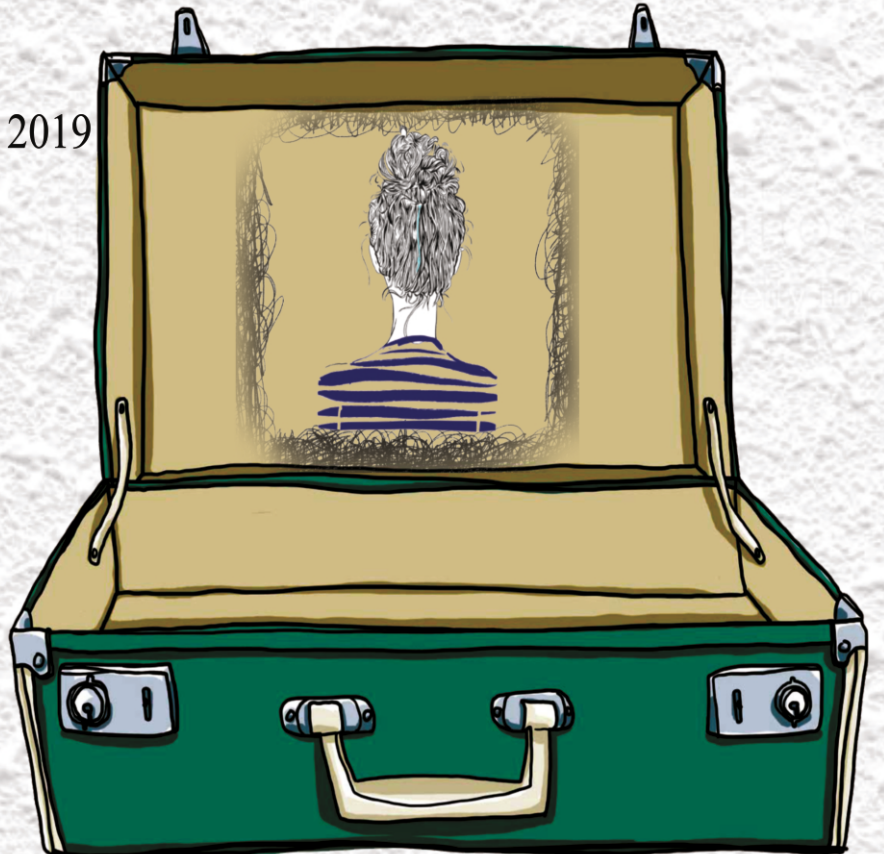
Additional Shows 12 & 13 October 2019

3.30 pm

## बहुमुख

NSD, Bhawalpur House  
Bhagawandas Road  
New Delhi – 110 001.

The Play is meant for adults over 18 years



Special Thanks to **Dr. Dakshina Gammanpilla** for her timeless contribution in the speeches of Homosexuality and other issues.

## Director's Note

The play "Katzelmacher", which means "Trouble Maker", but is also a more than derogatory term for someone who comes to a country as a stranger and seems to have nothing else on his mind but to produce children here - just like a permanently rolling cat - naturally reflects the point of view of those who believe that the stranger takes away all their jobs from outside, rapes women, destroys their familiar culture and home. This play by Rainer Werner Fassbinder is still the recurring theme worldwide, even 40 years after the drama appeared. Fassbinder succeeded in conceiving an everyday story in an almost monotonous manner that seems more topical than ever. And one does not only have to look at Europe. In my staging I was able to transfer many of the fears, prejudices and harassments of the characters to Indian society. Not only that the foreigner, the guest worker, stirs up the fear that he would take away the work of the old-established people, a very great aggression comes to light as soon as one of the women suddenly becomes interested in the foreigner. With his emergence, one's own shortcomings, which turn into hatred, aggression and brutal violence, reveal themselves behind the petty bourgeois masks. The stairs and steps also stand for this as metaphors and symbols for the often-hopeless situations in which the figures find themselves. In order to immerse myself deeper into the psychological abysses of the characters, I developed a new play from the script of the same name and the theatre version, which has not yet been performed in this form and will thus have its world premiere in the NSD. With the installation of two journalists, themes such as xenophobia, domestic violence and homosexuality are portrayed as the media voices that relentlessly, but relying on facts, are used as a kind of enlightening function and run like a red thread through the play. In the intermedia staging, theatre, film, dance and music mix and reveal the states of the characters again and again.

Ultimately, everyone must recognize for themselves how tolerant they really are. Racism, contempt, disregard and violation of human dignity is and remains a human flaw. No matter in which nation.

## निर्देशकीय

इस नाटक का नाम है कातज़ेलमाख़ेर, जिसका अर्थ है हड़दंग करने वाला। लेकिन यह उस इंसान के लिए गाली से भी ज्यादा अपमानजनक है जो एक अजनबी की तरह किसी देश में आता है, और जिसके दिमाग में वहाँ रहने और अपने बच्चों को बढ़ा करने से ज्यादा कुछ नहीं है उस बिल्ली की तरह जो अपने बच्चों के पैदा होने पर उनकी सुरक्षा के लिए लगातार घर बदलती रहती है, डर-डर कर रहता है। स्वाभाविक रूप से यह उन लोगों के दृष्टिकोण को दर्शाता है जो मानते हैं कि अजनबी बाहर से आकर उनकी नौकरियों को लील लेते हैं, उनकी औरतों का बलात्कार करते हैं, और अंततः उनकी संस्कृति और घर तबाह कर देते हैं। रेनर वर्नर फ़सबाइन्डर का यह नाटक लेखन के 40 साल बाद आज भी दुनिया भर में बारम्बार खेले जाने वाली विषयवस्तु है। रोजमर्रा की एक ऐसी कहानी जिसे लेखक लगभग ऐसे तरीके से परिकल्पित करने में कामयाब हुआ है जो आज पहले से ज्यादा समसामयिक हो गई है। इसके लिए हमें यूरोप की ओर देखने की ज़रूरत नहीं है। इस मंचन के द्वारा मैं भय, पूर्वाग्रह और चरित्रों के उत्पीड़न को भारतीय समाज में देखने में सक्षम हुई हूँ। न केवल विदेशी, बल्कि आगंतुक कर्मचारी / मजदूर इस डर से सहमे-सहमे रहते हैं कि कहीं वह पुराने स्थापित लोगों के काम न छीन लें और उनका गुस्सा न फूट पड़े। जैसे ही उनकी औरतों में से कोई अचानक किसी विदेशी में दिलचस्पी लेने लगती है तो यह लोग एक बड़ी आक्रामकता के साथ सामने आते हैं। उनके इस उद्भव के साथ, खुद की उनकी कमियाँ उनके पेटी बुर्जुआ मुखौटे के पीछे से प्रकट होती हैं और घृणा, आक्रामकता और क्रूर हिंसा में बदल जाती हैं। सीढ़ियाँ और कदम अक्सर— एक निराशाजनक स्थिति के रूपक और प्रतीक के रूप में सामने आते हैं, जिसके बारे में आंकड़ों से पता लगता है।

चरित्रों के मनोवैज्ञानिक गहवर में खुद उतरने के लिए, मैंने इस आलेख से पूर्णतया एक नया नाटक विकसित करने की कोशिश की है — यह संस्करण अब तक प्रदर्शित नहीं हुआ है— और जिसका वर्ल्ड प्रीमियर अब रानावि में हा रहा है। दो पत्रकारों की स्थापना के साथ नाटक में जेनोफोबिया, घरेलू हिंसा और समलैंगिकता जैसे विषयों को मीडिया की आवाज़ों के रूप में चित्रित किया गया है जो अथक रूप से, लेकिन तथ्यों पर आधारित हो शिक्षाप्रद कार्य के रूप में सामने आए हैं और नाटक में एक महत्वपूर्ण सूत्र की तरह चलते हैं। अंततः, सभी को इस बात की गहरी पहचान होनी चाहिए कि वो कितने सहिष्णु हैं। नस्लवाद, अवमानना, अवहेलना और मानव गरिमा का उल्लंघन पूरी तरह से मानवीय दोष हैं और रहेंगे, चाहे देश कोई भी क्यों न हो।

## Director Dr. Jacqueline Roussety

Jacqueline Roussety grew up in London and Hastings and studied acting and directing in Hastings/England. Over 17 years of permanent engagements as an actress in Germany in Münster, Osnabrück, Oberhausen, Essen, Dortmund, Saarbrücken and Munich. Acting lecturer at the Staatliche Schauspielschule München (Munich State Drama School) 5 years director at the "Theater und sofort..." in Munich. PhD in German Literature, History and Film Studies (Humboldt-Universität zu Berlin) Topic: Staged Geniuses and Muses in Theatre and Film. Since 2009 freelance actress, writer, journalist, presenter and actors' coach. Since 2011 freelance editor and presenter at Radio Multicult. FM in Berlin. She authored many titles like "Alone among cucumbers", "Dance of the sexes", "The Voyageur" and many more. Co-founder of Netseries Berlin Creative Factory. [www.netseries.de](http://www.netseries.de). Many broadcasts can be heard on her website: [www.jacquellien-roussety.de](http://www.jacquellien-roussety.de).

### निर्देशक डॉ. जेकलीन रौस्सेटी

जेकलीन रौस्सेटी लंदन और हेस्टिंग्स में पली बढ़ीं और हेस्टिंग्स/इंग्लैंड में अभिनय और निर्देशन का अध्ययन किया। जर्मनी में एक अभिनेत्री के रूप में मुनस्टर, ओस्नाब्रुक, ओबरहौजेन, ऐशेशन, डॉर्टमुंड, सारब्रुकेन और म्यूनिख में 17 वर्षों तक रहीं। स्टेटलिचे शौस्पियलशूल मुन्चेन (म्यूनिख स्टेट ड्रामा स्कूल) में 5 साल तक कार्यकारी प्रवक्ता तथा म्यूनिख में "थिएटर व सोफोर्ट" में निदेशक रही हैं। आपने जर्मन साहित्य, इतिहास और फिल्म अध्ययन में पीएचडी (हम्बोल्ट-यूनिवर्सिटी जू बर्लिन) की है जिसका विषय था— स्टेज़्ड जीनियसेज़ एंड म्यूजेस इन थिएटर एंड फिल्मस। 2009 से एक फ्रीलांस अभिनेत्री, लेखक, पत्रकार, प्रस्तुतकर्ता और अभिनय कोच के तौर पर कार्य कर रही हैं। 2011 से बतौर स्वतंत्र संपादक और प्रस्तुतकर्ता बर्लिन में एफ.एम. रेडियो मल्टीकल्ट से जुड़ी रहीं हैं। आपने कई किताबें लिखी हैं जिसमें "अलोन अमंग कुकुम्बर्स", "डान्स ऑफ द सैक्सेज़", "द वॉयेजुअर" जैसे कई शीर्षक प्रमुख हैं। आप नेटसिरीज़ बर्लिन क्रिएटिव फैक्टरी की सह-संस्थापक भी हैं— [www.netseries.de](http://www.netseries.de). आपके ब्रॉडकास्ट आपकी वेबसाइट पर सुने जा सकते हैं— [www.jacquellien-roussety.de](http://www.jacquellien-roussety.de)



## Costume Pratima Pandey

Pratima Pandey is the designer behind the vision of PRAMA. A graduate of the National Institute of Fashion Technology, she won the Grazia Young Fashion Awards in the category of eco-friendly fashion in 2011. Pratima derives her sense of fashion from her belief that clothing should be classic, ageless, and should speak of the craftsmanship of each person involved. Her garments are for the confident woman feminine, classic and elegant. Pratima's affair with chanderi began in 2011 with the collection Arabian Days and she has used this traditionally woven fabric of interlaced cotton and silk ever since. Its light and fragile texture are in line with her sensibility of feminine style enabling graceful cuts. [www.pramabypratima.com](http://www.pramabypratima.com)

### वस्त्र—सज्जा प्रतिमा पाण्डेय

प्रामा नामक महत्वपूर्ण संस्था के पीछे डिज़ाइनर प्रतिमा पांडे की दृष्टि हैं। आप नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की स्नातक हैं और 2011 में पर्यावरण अनुकूल फैशन श्रेणी में ग्राज़िया यंग फैशन अवार्ड जीत चुकी हैं। प्रतिमा की फैशन की समझ अपने उस विश्वास से आई है जहाँ पहनावा क्लासिक और एजलेस हो और उसे बनाने में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के शिल्प—कौशल की कहानी कहे। आपके वस्त्र आत्मविश्वास से लबरेज बहुत ही क्लासिक और सुरुचिपूर्ण स्त्रियों के लिए हैं। चंदेरी के साथ आपका काम 2011 में अरेबियन डेज़ कलेक्शन के साथ शुरू हुआ था और तब से आप इंटरलेस्ड कॉटन और सिल्क के इस पारंपरिक बुने हुए कपड़े का ही इस्तेमाल कर रही हैं। जिसका हल्का व नाजुक टेक्सचर और सुडौल कट आपकी स्त्रीय शैली की संवेदनशीलता के अनुरूप हैं।



## Amitabh Srivastava Translation

Born in July 1955 in Jabalpur (M.P.), Amitabh Srivastava has done his masters in Economics from Allahabad University (1975), and his graduation from the National School of Drama (1979). Over the years he has worked and been associated with many eminent directors like, E. Alkazi, B.V. Karanth, Barry John, Ranjit Kapoor, Devendra Raj Ankur and Amal Allana. Some of the important plays he has directed are -Khamosh Adalat Jari Hai, Khoob Milai Jodi, Kahani Bela Ki, Charcha Gali Gali, Tido Rao etc. His contribution as a translator and adapter of several texts of national, international value is tremendous. Some of his famous adaptations and translations include Ek Aur Durghatna, Chukainge Nahi, Kabhi Na Chode Khet, Aurat Bhali Ramkali, The Tempest, Romeo and Juliette, Macbeth, Kagpanth, Kiss of the Spider Women, Baanbhatt Ki Atmakaatha, Persians, Cane, American Pilot, Larinse Sahib, etc to mention a few. His original writings include Subhadra (play), Dhola Maaru and Laalach Buri Bala Hai (both puppets play). In 2011, he received the prestigious Sangeet Natak Akademi Award for acting.

## अमिताभ श्रीवास्तव अनुवाद

जबलपुर (म.प्र.) में जुलाई 1955 में जन्मे अमिताभ श्रीवास्तव ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1975) से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर किया है, और तत्पश्चात राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (1979) से स्नातक उपाधि प्राप्त की है। इन वर्षों में आपने ई. अल्काजी, ब.व. कारंत, बैरी जॉन, रंजीत कपूर, देवेंद्र राज अंकुर और अमाल अल्लाना जैसे कई प्रतिष्ठित निर्देशकों के साथ काम किया है। आपके द्वारा निर्देशित महत्वपूर्ण नाटकों में खामोश अदालत जारी है, खूब मिलाई जोड़ी, कहानी बेला की, चर्चा गली गली, टीडो राव आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय मूल्य के कई आलेखों-ग्रंथों के अनुवादक और रूपांतरकार रूप में आपका जबरदस्त योगदान है। आपके द्वारा किए कुछ प्रसिद्ध रूपांतरणों व अनुवादों में एक और दुर्घटना, चुकाएंगे नहीं, कभी ना छोड़ें खेत, औरत भली रामकली, द टेम्पेस्ट, रोमियो और जूलियट, मैकबेथ, कागपंथ, किस ऑफ द स्पाइडर वूमन, बाणभट्ट की आत्मकथा, पर्सियन्स, केन, अमेरिकन पायलट, लारिन साहब आदि शामिल हैं। आपके मूल लेखन में सुभद्रा (नाटक), ढोला मारु और लालाच बुरी बला है (दोनों कठपुतली नाटक) शामिल हैं। 2011 में आपको अभिनय के लिए प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्रदान किया गया।



## Music

### Santosh Kumar Singh (sandy)

Santosh Kumar Singh (sandy) is a well-known music composer and sound designer in the field of contemporary Indian music, performing arts and new media. With more than 300 hundred stage productions, more than 80 television serials, 50 documentaries, 120 albums, 35 major film productions, he is a well-known name in the field of Music production. He has also been part of more than 40 band start-ups and choir throughout India and abroad. Working with various NGO's, he has been actively involved in working with street children of the National Capital Region of Delhi. As for now he is busy with assignments for his sound design company "SOUNDPRO1".

## संगीत

### संतोष कुमार सिंह (सैंडी)

संतोष कुमार सिंह (सैंडी) समकालीन भारतीय संगीत, प्रदर्शन कला और न्यू मीडिया के क्षेत्र के एक जाने-माने संगीतकार और ध्वनि परिकल्पक हैं। तीन सौ से अधिक मंच प्रस्तुतियों, 80 टेलीविजन धारावाहिकों, 50 वृत्तचित्र, 120 एलबम, 35 प्रमुख फ़िल्मों के साथ आप संगीत निर्माण के क्षेत्र में एक अग्रणी नाम हैं। भारत भर और विदेशों में 40 से अधिक बैंड व कॉयर का हिस्सा रहे हैं और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के साथ जुड़कर विशेष रूप से दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के फुटपाथ के बच्चों के साथ सक्रिय रूप से काम करते रहे हैं। वर्तमान में आप अपनी साउंड डिज़ाइन कंपनी साउंडप्रो-1 के साथ कार्यरत हैं।



## Choreography Vikram M. Mohan

Born in New Delhi, Vikram Mohan is trained in Western Classical Ballet, Jazz, Modern, Salsa, Tango, Contemporary Dance from National Ballet Academy Trust of India. He has also done one year training in Aerial dance from Anandam Dance Theatre and Vertical Circus. Worked with Lucia Marthas as a Choreographer and a dance class observer in Lucia Marthas Institute for performing Art in Amsterdam, he attended many intensive dance workshops in classical Indian, contemporary and ballet technique with international and Indian teachers.

In 2006, he created his dance company Voxpop Dancers India and in 2012, founded India International Aerial Club, New Delhi. As a freelance choreographer and visiting faculty, he has been working with National School of Drama, NSD Sikkim Centre, FTII, MP School of Drama, IP University as well as theatre groups, Collages, Schools and international dance companies. He has choreographed for the plays such as Peer Gynt & Apna Apna Bhagya directed by VK, Madhyam Vyayog directed by Robin Das, Gipsy Jatak directed by K.K. Rajan, Sab Thaata Pada Rah Jayega directed by Ranjeet Kapoor, Romeo Juliet directed by Abdul Latif Khatana and A Midsummer Night's Dream directed by Anoop Trivadi etc.

### नृत्य संरचना विक्रम एम. मोहन

नई दिल्ली में जन्मे विक्रम मोहन राष्ट्रीय बैले अकादमी ट्रस्ट ऑफ इंडिया से पश्चिमी शास्त्रीय बैले, जैज़, आधुनिक, साल्सा, टेंगो व समकालीन नृत्य में प्रशिक्षित हैं। आपने आनंदम डांस थिएटर एवं वर्टिकल सर्कस से एरियल नृत्य में एक वर्ष का प्रशिक्षण भी लिया है। एम्स्टर्डम स्थित लुसिया मार्था प्रदर्शन कला संस्थान में बतौर नृत्य संयोजक व कक्षा पर्यवेक्षक लुसिया मार्था के साथ कार्य कर चुके आप कई अंतरराष्ट्रीय व भारतीय प्रशिक्षकों के साथ भारतीय शास्त्रीय, समकालीन और बैले तकनीक की गहन नृत्य-कार्यशालाओं में भाग ले चुके हैं।

2006 में आपने जहाँ वॉक्सपॉप डांसर्स इंडिया नामक नृत्य कंपनी बनाई वहीं 2012 में इंडिया इंटरनेशनल एरियल क्लब, नई दिल्ली की स्थापना की। एक स्वतंत्र नृत्य संयोजक व अतिथि संकाय के तौर पर आप रानावि, रानावि सिक्किम सेंटर, एफटीआईआई, मध्य प्रदेश ड्रामा स्कूल, आईपी विश्वविद्यालय के साथ-साथ कई रंग समूहों, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और अंतरराष्ट्रीय नृत्य कंपनियों के साथ काम कर रहे हैं। आपने वीके निर्देशित पीयर गिन्ट और अपना अपना भाग्य, रॉबिन दास निर्देशित मध्यम व्यायोग, केके राजन निर्देशित जिप्सी जातक, रंजीत कपूर निर्देशित सब ठाठ पड़ा रह जायेगा, अब्दुल लतीफ निर्देशित रोमियो जूलियट आदि नाटकों के लिए नृत्य संयोजन किया है।



# Production Team

Production Manager :Parag Sarmah  
Asst. Production Manager : Utpal Jha,  
Asst. Stage Manager :Neetu Vaid  
Production Co-ordinator :Satish  
Gautam  
Production Assistant: Madhavand, Kavita

Set & Carpentry :Vikram Kumar, Ram  
Avtar Mina, Ashok, Mukesh, Azgar Ali,  
Ayub, Binder, Pummy, Rambali, Baba,Aas  
Mohammed, Brijesh, Imran, Bholanath,  
Pankaj, Rizwan, Jaiprakash, Bablu,  
Prahlad, Liyakat ali

Costumes :Bharat Singh Negi  
Darmiyan, Sanjeev,  
Rajeev Yadav, Usha , Parvati

Lights :Kiran Kumar  
Mukesh Kumar, Rakesh  
Singh, Sunil Kumar,  
Wajid

Sound: S. Manoharan  
Pratap Singh Bisht,  
Shubhanjan, Nitin Kumar,  
Sunil, Ahsan

Photography : Deepak Kumar

Property :Niraj, Shamsheer

Library: Rajan, Vickymall

Production Boy : Hoshiyar Singh, Vikas

# प्रस्तुति टीम

प्रस्तुति प्रबंधक — पराग सर्माह  
सहायक प्रस्तुति प्रबंधक — उत्पल झा,  
सहायक मंच प्रबंधक — नीतू वैद  
प्रस्तुति संयोजक.— सतीश गौतम  
प्रस्तुति सहायक — माधवानन्द  
कविता

मंच निष्पादन —विक्रम कुमार, राम अवतार मीणा,  
अशोक, मुकेश, अज़गर अली,  
बिंदर, पम्मी, आस मोहम्मद,  
बृजेश, भोलानाथ, रामबली,  
पंकज, रिज़वान, इमरान, अयूब,  
जयप्रकाश, बबलू, बाबा, प्रह्लाद,  
लियाकत अली

वस्त्र सज्जा — भरत सिंह नेगी  
दरमियान, संजीव, राजीव यादव,  
उषा पार्वती

प्रकाश — किरण कुमार  
मुकेश कुमार, राकेश सिंह,  
सुनील कुमार, वाज़िद

ध्वनि — एस. मनोहरन  
प्रताप सिंह बिष्ट, शुभांजन,  
नितिन कुमार, सुनील, एहसान

फोटोग्राफी — दीपक कुमार

मंच सामग्री — नीरज, शमशीर

पुस्तकालय — राजन, विकीमल

बुक-शॉप — दर्शन सिंह बिष्ट

प्रस्तुति परिचर — होसियार सिंह, विकास

## Cast

Erich : Saquib  
Maria : Payal  
Paul : Masood  
Helga : Sugandha  
Franz : Bhuneshwar  
Rosy : Ketaki  
Gunda : Devika  
Peter : Amir  
Elisabeth : Ipsita  
Claudia : Madhu  
Klaus : Swayam  
Jorgos : Tribhuwan



## मंच पर

एरिच : साकिब  
मारिया : पायल  
पॉल : मसूद  
हेल्गा : सुगंधा  
फ्रैंज : भुनेश्वर  
रोजी : केतकी  
गुंडा : देविका  
पीटर : आमिर  
एलिज़ाबेथ : इप्सिता  
क्लौडिया : मधु  
क्लौस : स्वयम्  
जोर्गोस : त्रिभुवन





## Credit

Choreography  
Vikram M Mohan

Music  
Santosh Kumar Singh (sandy)  
Drum – Rakshit Sahay  
Electric Bass – Ambat Tewari

Costume  
Pratima Pandey  
Assistant to Designer  
Tajeshwar Singh Spehia  
Work Assistant  
Himanshi

Translation - Amitabh  
Srivastava

Poster-Brochure, Light Design &  
Assistant Direction  
Anirban Banik

Set Design & Direction  
Dr. Jacqueline Roussety

मंच परे

नृत्य संरचना – विक्रम एम मोहन

संगीत – संतोष कुमार सिंह  
(सैंडी)

वेशभूषा – प्रतिमा पांडे

अनुवाद— अमिताभ श्रीवास्तव

पोस्टर—ब्रोशर, प्रकाश परिकल्पना  
व सहायक निर्देशन  
अनिर्बान बनिक

मंच परिकल्पना व निर्देशन  
डॉ. जेकलीन रौस्सेटी



National School Drama  
Bahawalpur House, Bhagwandas Road  
New Delhi - 110001  
Enquiries : 011-23389402 / 7916 / 2821  
website : [www.nsd.gov.in](http://www.nsd.gov.in)